

100



5336म - नमो भगवते वासुदेवाय

Acc. No. 53364



Handwritten text in a script, possibly Persian or Urdu, located below the drawing.

न

विभीषणवे वल ह्युपायनमः
विभक्तभूमचइष्टधीधुक्त
विभक्तवद्वचमंवरु एक
उभयभुधरभाकगी मज्ज
पौष्टिष्टु निचलारुभा उतु
धरभगत ० सुदुष्टभक्तपरी
कठलित भुक्तलीगिगी मि
सुदुष्टभक्त मधुष्टीमरुविरु
मज्जपरी रंष्टुगीउदगीउ
धरभनकी मज्जमोपीष्टु मि
चलारुभा उतु धरभगत १
उदुष्टभयी उदुष्टभगत भव

श्री.
०

ਧਰਮਾ ਵਰਤਣਗਰੀ ਭਰਮੀਤਨਾ
 ਭਰਮਚਰਾ ਵਿਰਥੇ ਧਰਮਥੇ ਧਰਮ
 ਧੀਧਾ ਧੁਮਤਿ ਸਤਸਾਧਿ ਸੁਖੇ ਨਿ
 ਚਾਲਾਧਰਮਾ ਤੁਧਰਮਧਰਮ ੫ ਨਿ
 ਰੁਪੁਰਮਲਿ ਧਰਤੁਧਾ ਨਿਧਰਾ ਮਿ
 ਤਮੰਧਰਾ ਧੁਲਧਾ ਮਿਤੁ ਸੁਖੇ
 ਸੁਖੇ ਨਿਧਰੇ ਧੁਮਤਿ ਸੁਖਿਧਰਾ
 ਤੁਧਰਿਧਰੇ ਨਿਧਰੇ ਨਿਧਰਾ ਮਿ
 ਤੁਧਰਾ ਸਤਸਾਧਿ ਸੁਖੇ ਨਿਧਰਾ
 ਧਰਮਾ ਤੁਧਰਮਧਰਮ ੭ ਨਿਧਰਾ
 ਰਮੀ ਗੋਧਰਧੀ ਰੁਪੁਰਮਲਿ
 ਧਰਮਚਰਾਧੁ ਸੁਖੇ ਧੁਮਤਿ ੮

ਸ਼ੀ.
 ੯

ਮਾ

दिभचभं सु रिगिभं भुभी कि
 त्रा विभुभं सुभुभोपे सुभु
 निचल्लदभा उधुधभभं १
 नरययनरुभी मयुक्रमकम
 काकी यधमभुभुभी सुभुधः
 सुभुधं भचइभुभी सुभुभे भभ
 पि सुभुभे भचयनेउता निभु
 ला निभुभुभं सुभुभोपे सुभु
 निचल्लदभा उधुधभभं ३
 सुभुभं भभभं गलेता भिउता ५
 लया नभुभि यंभनभुभिभि
 लेता कवल्लदभा ३ सुभुभुभं

भव सुकर्म कमलसिंहा कक्षा नभ
 मि लगिनत कृदा वृषि दल
 रमणीली मिलारलन ~~गंगा~~ व
 प्रियदा हस्ति भग्न उपभोग भव
 प्रतरभधु प्रतद्रोप मधु विच
 लदभा उपधरभगत ७ वेद
 वका प्ररु सभाउनमी मंभीत
 मनेक भुवन्दे मभवया घेरु
 समरुक्ले भीषणितु मभ
 मन्त्रधन मन्त्रे मन्त्रा निम्नला
 वेहीभग्न उपधर भवउल्ल
 हुगे भव प्रवत्तु एतनेएके

श्री.
 ३

ਸਤਸੰਗੇ ਸੁਖ ਨਿਵਾਰਨੁ

ਤੁਧਰਾ ਮਨੁ ॥ ੧ ॥ ਤਿਨਿ

ਲਖ ਮਨੁ ਕਉ ਭਵ: ॥ ੧ ॥ ॥

ਤਿਨਿ ਸਤਸੰਗੇ ਤਤ ਨਿਮਲੇ

ਸੁਖ ਮਨੁ ਵਿਣੁ ਪੰਥਾ ਲਲਾ

ਮਲਲਾ ਪਰਮਾਤਮੇ ਸਿਵ ਮਾਧ

ਕਰੇ ਪੰਥੁ ਕਰਮੇ ਦਮਾ ॥ ੧ ॥

ਤਿਨੁ ਧਾਰਿ ਮਚਰਿ ਗਦਰਿ

ਨੀਕਲਾ ਕਰਿ ਤਨੁ ਤਨੁ ਵਿਮਰਿ

ਮਮਾਧਿ ਮਨੁ ਮੇਰਿ ਮਧੇ ਸੁਖਿ

ਹੁ ਸਾਧਕੁ ਧਰਮੁ ਕਰਿ ਸਤਾ

ਹੁਲਿ ਗੀਤ ਧਰਿ ਤੁਧਾ ਸਿਨਿ

कथन्तुभिभि गेधन्ता हुनरा
 करि गेधीभन्ता यैभिदेभिभिय
 भपुवशा गियकन्दिमिया कन्ता
 देदि पन्तादेभि धन्नेदन्ता
 मीदन्ता रन्ता भन्ता दियि
 भन्ता मिया नैवन्ता रन्ता भन्ता
 वि हिकन्ता कन्ता मन्तादिया
 धन्तादियि कन्ता मन्ता
 लयन्ता मियन्ता कन्ता कन्ता वि भ
 मन्तादियि कन्ता मन्ता
 धन्तादियि कन्ता मन्ता
 धन्तादियि कन्ता मन्ता
 धन्तादियि कन्ता मन्ता

श्री.
 २

मभा थया मरुनम विरेभा उ
 गला मभा थीविभा भूठेभा भुडा
 वा भवे^म भूठुल्लभा उरकिंदा ॥

देला मनिधाडल गगनगभि
 भुडा रभडा पछुड्डा मेटना
 भलि सुटगलि सुनवन भभडा

सुभिरुयिन सुभिधाना रभि
 गभा करिथवना रभकिभिन
 किंदा दभि रभीग कंदा उभी न
 ग डया इयि भुदा निचले ग
 उदा दिंरुहि मिनउ करुना म
 भाहिकुभा ररुगिल्ला दुल्ले

१
 दिभा ब्रह्म भिनड छियमिडु
 मिडि कभा थम^{वि}विन भईवा
 थय वरं थमको सुमा छे
 या वभा इजना नरुमा रू
 कर्नायभ थरभथया थरभनका
 नभला तुथा चडायी सुयविर
 नर निरालभुतुथा दुध थरा
 सुनदका छनवर लण्डगरे
 भरेभतुथा भभइ पुल्लत भइना
 वभना मवाण्डभना भइउ
 ला छनतुथा उ सुत सुभना
 सुभने नभने अउडि यव

श्री.
 ५

ਧੁਨਠਕੈ ਸਾ ਕਰਿ ਭਵਧੂਨੁ ਸੁ
 ਧਾਰਿਥਾਨਾ ਚਵਧੁਨਠਕੈ ਮੇਰੇ
 ਕਰਿ ਭਵਧੂਨਾਇ ਭਾਰਿ ਭਾਰਿ
 ਧਾਨਾ ਧਿਭੇ ਭੋਧਾ ਭਵਧੂਨਾ ਭੋਧਾ
 ਮਨਾਗਿ ਧੂਲੁ ਧੂਮਾ ਨਾਗਿਧੂਨਾ
 ਭੋਧਾ ਧੂਨੁ ਭਵਧੂਨਾ ਭਵਧੂਨੁ ਭਿ
 ਭੁਮਾ ਭੁਭਾ ਮਿਨਾਗਿ ਭਗ ਭ
 ਵਿਤ ਭੁਭਾ ਭੁਭਾ ਮਧਿ ਭੀਰਾ
 ਲਾਗਿਤ ਭਵਿਭਧੂਨਾ ਮਿਰਿਭਧੂਨਾ
 ਤਿਥਿਧਾ ਨਾਗਿ ਭੁਭਾਧਧਿ ਤ
 ਮਨਾਭਾ ਭੁਭਾ ਭੁਭਾ ਭੰਮ
 ਭੁਭਾ ਭਿ ਭਧਿ ਭੁਭਾ ਮਧੁਭਾ

भूठ उरि या उरि उरि भा
 ने भिभ भिभ उरि भि भिभ भिभ
 बुद्ध भिभ विभु भिभ भिभ
 भाषी पुन पुन यरि मरुतु
 मय क भल उरि भल भल
 भव भुतु दा उरि भाषी गगन भल
 ला नान भल मगया मउच
 मयने भान भल भगवन्ता न
 न भुकर पुन भुतु भुतु भ
 मनेक भनी भुन भुनका भन
 या भानि वली विरका भ
 ने भि भि भि भि भि भि भि

ਧਿ.
 ਮਾ ਮਾਗੇਤਾ ਮਾਗੇਤਾ ਮਾਗੇਤਾ ਪੰਥਾ
 ਭੰਡਿਆ ਭਵੈ ਮਾਗੇਤਾ ਕਲਿ ਧਿਯਾ
 ਮਾਗੇਤਾ ਮਾਗੇਤਾ ਮਾਗੇਤਾ ਮਾਗੇਤਾ
 ਪਾਨਮਾ ਫਿਫੇ ਪਾਗੇਤਾ ਪੁੰਨੇ
 ਤਮਾਗੇਤਾ ਪਿਧਮਾ ਕਾਤਾਤਾ
 ਯਾ ਠਗ ਵੰਢੇਤਾ ਮਾਗੇਤਾ ਕੁਮਮਾ
 ਲਾਗੇਤਾ ਤਾ ਮਾਗੇਤਾ ਮਾਗੇਤਾ ਮਾਗੇਤਾ
 ਰੇਸੰਤ ਪਾਮੇਠੇਤਾ ਮਾਗੇਤਾ ਮਾਗੇਤਾ
 ਗ ਪੇਗੇਤਾ ਮਾਗੇਤਾ ਮਾਗੇਤਾ ਮਾਗੇਤਾ
 ਲਾਧਗ ਮਾਗੇਤਾ ਮਾਗੇਤਾ ਮਾਗੇਤਾ
 ਮਾਗੇਤਾ ਲਾਗੇਤਾ ਮਾਗੇਤਾ ਮਾਗੇਤਾ
 ਫਿਫੇਤਾ ਮਾਗੇਤਾ ਮਾਗੇਤਾ ਮਾਗੇਤਾ

ਸ੍ਰੀ.
 ੧

निचिभा यैरभा भदलभेधग
 उ हगभा रणीव लयोगवा ५५
 नेलराउवी वशि कलनेम
 क्षमचा उ ५५ वगयना रि
 यनमा वशिमेवना मङ्गभा
 गिहलला भिलिउरएला वद
 वि भूला लगेउभरिभी न रिना
 गगलिउ हूणा भङ्गरी ठेगा
 पुङ्गरी करि मगीग भोग गवा
 भदले मङ्गना भिलि निमङ्ग
 भवगरी कङ्गा निवगरी येनदलि
 उ या वलि हूङ्गा गङ्गा मरदग

मंनभया मन्त्रया भावणना
 पिलि मन्त्रमवना मन्त्रा
 भूषणलाना भिगा वभना एण
 ना मण्णला भावणना उ बुधा
 ठणवना कुमिवाणता उ मुमि
 वधाना वगमेयित कुनकया
 वभा धम्मणभिरभारभा त्यभा
 उ मन्त्रा सुने भा बुद्धम
 भगन् रगत वील उ बुद्ध येभिया
 भदया भिया पन्ने बुभाना
 श्री. इ। मन्त्रमभिमिवा उ बुद्धकभयि
 उ भिया विदो गलित उ दानि वरि
 भ

मगीग पगविहंदा पगवरि भंग
 उरि सुयीहुगलि सुभि उमा
 हनी मच्चना मये डाप्लभि उमा
 पनैकलदना कभिनुवा नग
 ववभवग नगरगु नवला
 नगेश हंदा वनि निमु^३ थउ
 यो करिवगे कदये मगी उ कभा
 मरि मये सुभिडि उगदा रि
 याउउरि येभेगुगना भे^३
 उहेया हंदा हंदा थकिउ रुदा
 भेल्लभि निषया थविउ भेया डिया
 भउा किउा हउेउेउा रउा मरि

भ

हवेडा वरिणि कडिऊ दाडुथा
 ॐ येमेभडा दिवि पुनउ धानभा डि
 निरुंदा वणिनि उ कैभिनगिलि
 एगिदरभा डल निभा गिलिय
 नधानभा अउमिलि भिजापा भभा
 यण एकभना भैल नगय प्रभा
 करु केय कलकमी सुप्रद
 कष्टेगी भुतुथा केय करु भैरभा
 उजीर अकुरुथा मिपय उभर
 सुष्टुभि उभरमारल दमया भठभा
 य सुधनगांग सुया सुधा भउष्टु
 केका भैव भसठनद येवण सुय
 ममुकी

श्री.
 ७

५

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

कण्डू कण्डू यवकुंगमलि

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ग, यवकुकिमलिया सुभाषा

इति ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

येना कर्गरेणा गलिया सुभाषा

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

मेधापित्ता भिल्लेता इत्युना

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

भामभा नमभा नमभा मालि

सुयभा लल्ले सुभा उरभा मरु

वभा सिवभा मेवः सिवभा मरुभा

निरकगभा मज्जरकेभा भउभा उ
 उभा म्दंथम्वा मरुभाणवा रवा
 ॐ दंभा मुनेभा भिम्मे भिम्मे धुल्लकरेभा
 ५१ भम्मे भिम्मे धुल्ल धीविभा भिम्मे
 म१ म्मिन्नममममय नेममधुल्ल
 भेम्मग भम्मे धीलउरुद कुरुद
 कद भउवत्त सुणार पूरि नम
 भउठणठण्डु केरुगपभेउउक
 ॥ भउ उधनग ठग ठडु धीवी
 डप्पुमे सुणार पूरवउ मम
 उअ नमंदा म्मवउ पूरल्ल
 वा मुउकुग उल्लिउल्लम्वउ रिग

श्री.
 ००

ਭਵਨਾ ਕਰੁ ਦਾ ਮਿਲਿਤਾ ਤ ਮਖ
 ਸੁਏ ਪਰਵਰੁ^{ਯਾ} ਭੁਯਾ। ਰੁਮਾ ਮਿਲਿਤ
 ਪੁਖਾ ਫਲਾਨੀ ਉਸਾ ਪਿਲਾਨੀ
 ਮਧਿ ਮਧਾ ਗਲਾ ਲੁਨੀ ਸਵਤੁਪ
 ਸੁਨੀ ਕਪਾ ਸੁਨੀ ਵਰਵਾਲੀ
 ਨਾ ਮਿਮਸਮ ਮੁਖੁ ਲਾਨੀ ਤਮਾ
 ਚਿਨਾ ਲਾਨੀ ਭੁਯਾ ਸਵਤੁਪ
 ਧੂਮਾ ਲੁਯਾ ਮਿਲਾਨੀ ਯੇ ਮੈ ਪਲ
 ਕੈ ਮਿਮਿਲਾਨੀ ਕਾ^{ਯਾ} ਮਧਗ
 ਪਥਾ ਲੁਯਾ ਮਤਾ ਤੁਪ ਮਿਲਿਯੇ
 ਮਤਾ ਗਤਾ ਤੁਝਤਾ ਤਿਲਿਯੇ ਰੇਮ ਯਾ
 ਰਗਿਯਾ ਰਲਾਨੀ ਮਿਲਿਯੇ ਤੁਝਮ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 लक्ष्मणवर्मा दक्षिणेश्वर ॥ श्री
 दक्षिणेश्वर ॥ शिवशैव ॥ कण्ठद्वार
 त्रैलोक्य ॥ धर्मेश्वर ॥ धर्म ॥ उद्दिष्ट ॥
 कश्चिन्मात्रेण ॥ यथा ॥ शान्ति ॥
 शान्ति ॥ गरी ॥ वापिनेमा ॥ हस्त
 ॐ श्री गुरु पितृ भैया ॥ हस्त
 ॥ भल्ले भैया ॥ भल्ले ॥ दीप ॥
 कर्मा भैया ॥ भवकुलमा ॥ उद्दिष्ट
 ग ॥ कर्मा भैया ॥ रंशुग भैया
 ॥ भैया ॥ गुरु ॥ कर्मा ॥ यथा ॥ हस्त
 विद्या ॥ दिवि ॥ हस्त ॥ हस्त ॥ दिवि

श्री.
 ००

कले मयिभा श्या रूपा
 इवि वेकिभा भुठवि मदि
 लिममन/णगिरूया मेभेकु
 कउठियविमगि इदियाभ
 रिश^{नाम}कुङ्गा भिछू उभाउ
 लगे मवेङ्गनगि केभिया
 मेठउठगिरूया इवाविदि न
 ववतुपे उगगनरंगसुग सुवा
 मविनमी धनभमिउ पुन
 उधि भभनधरभनका वपुउ
 अरामी भेव मरुग निठग
 भूषामेसना कचिवा मेसना

भुगना लेभेभा रुद्रा मित्रुव
 वाभरेभा मरुग छिया नेमन
 दाऊधल्ल वल्लेडा छेउभा
 कडा कैडना दधक रेखा धन
 भुगना येभना भना लगना
 भनभा भुते छेपुना इवेस
 पुवा भे छेडा भणना वा
 ए वनभा लल्ला रडा उकषा
 ठनभा केमि के धाण एनभा
 न भुव धाण धरु के श एनभा
 भाला देरुं मभरुं दवउ
 भा यव भुइ धाला मुभ नम

श्री.
 ०९

नालाएकुकुय नैराया ॥ १० ॥
 रडभालनियणरणभा ॥ ११ ॥
 पाणथकभियणथानै भनिय
 मेभा ॥ १२ ॥
 चाली थीवना भपराभा ॥ १३ ॥
 करतुहवा ॥ १४ ॥
 डहनभा मजा ॥ १५ ॥
 मउ येथियनभा भिय ॥ १६ ॥
 येथियमलगा ॥ १७ ॥
 मङ्गाभा ॥ १८ ॥
 भूरि ॥ १९ ॥
 दया किलेभलउ मउउले

यवसायाप उ धनो उ दिला म
 पु उधपिवा मभमूयान र म
 भा वरु ननिभा एउम
 का मभमू सुनिभउ कृका
 मभण नरु विरु सुदणन
 मापका मिलिये भापना भणि
 करिभा नीवा एउउग था ह
 नि करलणुनि भनि मरु
 गउ ननिभा कृया ठनदे परि
 उधनै घोरि केमेभरिउ कमात
 गिनाया धनैरगदि धनैघोरि
 केमेभरिउ कमा दतका
 लणि

श्री.
 १३

ਪ੍ਰਥਮਾ ਹੁਣੇ ਮਾ ਸਰਗ ਸੰਸਾਰ ਵੇ
 ਰੇ ਸਥਾ ਕੈ ਮਿਨ ਮੇਤਨਾ ਕ
 ਵੇਨਾ ਤਤਿ ਲਾਗੀ ਸੇਵੇਨੁ ਪ੍ਰਥਮ ੩
 ਦਰਗਾਹੁ ^{ਹੋ} ਸੇਵੇਨੇ ਠਿਘ ਮਿਲਾ
 ਵੇਨਾ ਗੁਰੂ ਮਾ ਅਤਿ ਪਵਨਾ ਪ
 ਰਤ ਲਿਵਨਾ ਪਾਨੈ ਸੇਵਨਾ ਪਾਨ
 ਤਨੇਵਨਾ ਟੁਕਾ ਨਾਨ ਭੁਕਾਨ
 ਲਿਖਨਾ ਪਾਨ ਰੇਖਨਾ ਪਾਨ ਤਦਿ
 ਵਨਾ ਪਸਾ ਧੀ ਵਨਾ ਪੁਲਤ
 ਛੇਵਨਾ ਪਾਨ ਭੁਕਨਾ ਪਾਨ ਤੁਸ
 ਵਨਾ ਟੁਕਾ ਮਤੁ ਤੁਧੀ ਮਨੁ
 ਮਨੁ ਤੁਧੀ ਵੀ ਤਤਿ ਪਸੀ ਮਨੁ

॥

ब्रौ

छुनी गुण
सुमका प्रये

श्री.
०५

श्रीबोमरुष्टिगंगुयहिठवि
 नो रहुगंगयाश्रयिभा भद्र
 ऊया भक्तभूष्टनी सकया
 कया भुक्तुं पागगना नकिं
 दा नया नकिंदा इविउ नकिंदा
 उवा इवसुमाया सुभसुये ३/
 विष्टनीलगसका भसापासुये
 सुमापासुयेउ इवकिंदा भक्त
 येभेष्टनलिनर इष्टिभंभगा १/
 इष्टिभयालियि नउभरि म
 इष्टिभेगलि चुरा भेष्टिठणा उ
 दगिनिगदगा नविष्टि नद

मुग रदेउ भिगु कमा निगहि
 कगा रिभरिभ सुवा उण्डगा ह
 नभा भिमुउ पनभा कुंमु नवे
 छनभा मित्रभ कगा पनै पन
 पात्तविउ पनै विमिनउ च
 साएननभा विमिया एनैउ
 नकेदा छेदा सदा उगम
 मदा डिधानै मतापभाना थुरि
 रवा केनिगवा रया पया केनि
 गवा कुरिदल्ल केनिगवा भे
 रिगवा केनिउभाने केनिगक
 रि सभाने रिउ थुरिगवा कथउ

भि

५२

मन्त्र मन्त्र मन्त्र मन्त्र
मन्त्र मन्त्र मन्त्र मन्त्र
मन्त्र मन्त्र मन्त्र मन्त्र
मन्त्र मन्त्र मन्त्र मन्त्र
मन्त्र मन्त्र मन्त्र मन्त्र

जिभउतुपमभनूमभते। धीवा
जग। उपमीमम। धीवा। पदुष्टिनि। उज।
रुपीदिगविना। ननभिनकम
मिग। नभनेनिउमभने। ममवम
चम। पम। दियउ। यम। छिभा
ममना। ममना। ममना। मूयेभा
उपा। मुकमउपा। रगनिमउग।
रभने। उवेनभेभुष। मभने। दिम
लयमीमय। गहृ। यभूवेभा
मम। पछममीभा। एकउ। नम
मीय। राकिछा। भवि। ०दगवि
भिदा। नविदा ॥

त्रिमिक०भा इति मन्त्रना इया कण
 येष इया दिपिमन्त्रना इति मन्त्रना
 इति उरविभा एता एता मन्त्रित
 इति विमरि धनमरि मन्त्रित
 या विजागलित मन्त्रित इति उ
 येयै इथा मिवरित इथा नय
 वेता मन्त्रित मन्त्रित मन्त्रित
 रवा रगा इथा इथा मन्त्रित
 कदा मन्त्रित निराल भु इथा यति
 केनि वेकिना इति केनि धनै
 मच इति मन्त्रित मन्त्रित इथा मन्त्रित
 मा इति मन्त्रित मन्त्रित मन्त्रित

श्री.
 १०

भगनिष्टे ॥ १ ॥ सुन सुकामवल्ली
 निचल्ली भनिभदया धनध
 नष्टे ॥ सुनभरभेडुलिधन
 ॥ २ ॥ सुनभरभेडुलिधन
 ॥ ३ ॥ सुनभरभेडुलिधन
 ॥ ४ ॥ सुनभरभेडुलिधन
 ॥ ५ ॥ सुनभरभेडुलिधन
 ॥ ६ ॥ सुनभरभेडुलिधन
 ॥ ७ ॥ सुनभरभेडुलिधन
 ॥ ८ ॥ सुनभरभेडुलिधन
 ॥ ९ ॥ सुनभरभेडुलिधन
 ॥ १० ॥ सुनभरभेडुलिधन

ਧਰਤੀਨਿ ਰਾਮਾਨੁਜਿ ਬੁਝੁ ਭੁਭੀ
 ਮਧਿਗਛਿਭਾ ਯੋਕਿੰਦਾਕੁਨਿ
 ਤੇ ਕਿੰਦਾਨਿਧਿ ਰਿਕਾਨਾ ਮਧੁ
 ਮਭਭੁ ਛੇਭਾ ਧਿਮ ਨਾ ਤੁਛੇਮਨਾ
 ਨੈਰਾਨਾਧਿਭਾ ਨੈਸਾਨਾ ਸੇਨੇ
 ਮਭਾ ਬੁਝੁ ਨਾਧਿ ਕਨਾ ਨੈਭਾ ਮ
 ਬੁਝੁ ਭਾ ਬੁਝੁ ਨਾ ਬੁਧਿ ਮਭਾਨਾ
 ਯੋਭਾਨਾ ਬੁਝੁ ਮਭਾਨਿ (ਭਭਾਨਾ) ਭੁਧਿ
 ਛੇਨਾ ਕੇਨਿ ਛੇਨੇ ਕੇਨਿ ਭੁਧਿ
 ਮਾ ਭੁਧੁ ਭੁਧੁ ਯੋਭੁ ਕੇਨਿ ਭੁਧਿ
 ਵੈਭੁ ਭੁਧੁ ਭੁਧੁ ਭੁਧੁ ਕੇਨਿ ਭੁਧੁ
 ਭੁਧੁ ਭੁਧੁ ਭੁਧੁ ਭੁਧੁ

ਸ੍ਰੀ.
 ੦੭

ਦਯ ਭੁਧੁ ਭੁਧੁ ਭੁਧੁ ਕੇਨਿ

लीवभा लीकरभा लुवना
 येभननगरदुगिव न्हि पूज
 केनिवउवने छे पुनिधुनि
 लुनि छिन्ने छिन्ने नउरगने मउ
 याउ रफछीरथीन नउ
 लेनपाउल्ले, नपागे मपागे
 मिता मउर सुहुं मउं निम्न
 ले मचइवु देव केन भरि
 उकेन पिउरि मभइउरिष
 विभषरभा गिहुउ मसा उणउगी
 धनभा धन यिधंगेरि कण्डुपु
 रि मुकण्डिउवति धनमउ

[illegible]

विष्णुकाव्यसूक्तम् ॥ ३॥ अथ अष्टमोऽध्यायः ॥ ३॥ ॥ ३॥

ॐ धरिष्टे ~~धरिष्टे~~ धरिष्टे धरिष्टे धरिष्टे
 ननिय ~~ननिय~~ उ ननिय ~~ननिय~~ उ
 ॐ धरिष्टे ~~धरिष्टे~~ धरिष्टे धरिष्टे धरिष्टे
 धरिष्टे धरिष्टे धरिष्टे धरिष्टे धरिष्टे
 धरिष्टे धरिष्टे धरिष्टे धरिष्टे धरिष्टे
 धरिष्टे धरिष्टे धरिष्टे धरिष्टे धरिष्टे
 धरिष्टे धरिष्टे धरिष्टे धरिष्टे धरिष्टे
 धरिष्टे धरिष्टे धरिष्टे धरिष्टे धरिष्टे
 धरिष्टे धरिष्टे धरिष्टे धरिष्टे धरिष्टे
 धरिष्टे धरिष्टे धरिष्टे धरिष्टे धरिष्टे
 धरिष्टे धरिष्टे धरिष्टे धरिष्टे धरिष्टे

ਪਾਨੈ

ਮਧਾ^੩ ਭ੍ਰ^੩ ਕਾ ਕਰਿਤ ਪਸ਼ੁਪਾਧਾਨ
ਭਿਤ ਕਾ ਪਸ਼ੁ ਪਛਮਕਾਕੁਗ
ਕੋਰਨਾ ਦਸਿ ਦਿਖਮਾਧਾਕਰਿ
ਨਾਕੁਧਾ ਮਰਿਗਗਨਿਤ ਪਾਨੈਵਿ
ਸਿ ਸਫਾਗਗਨਿਤ ਕਾਨੈ ਭਿ
ਠਿਧਨਾ ੦ ਰੇ ਗਨਿਤ ਪਾਨੈਨਾਸਿ
ਵਧਾ ਵਧਾਗਿਨਿਤ ਕਨੈਨਾਤਿਨਾ
ਨਾਭਨਾ ਗਨਿਤ ਮਧਿਤੁ ਭੁਧਾਵਾ
ਭੁਭਾ ਕਾਨੈਠਿਤ ਮਾ ਭੁਭਾਨਾ
ਭੁਧਾ ਨਕੁਧਿਧਾਧਾਤੁ ਮਾ ਨਾਭਨਾ
ਭੁਧਾਤੁ ਮਾ ਭੁਭਾਨਾ ॥ ॥

ਸ੍ਰੀ.
੭੭

उयितभा नभना हया भुभे
वृरिवतना कुतभा उभुभ
शया पुंयभा हया मिमि
रित्तवभेभद कुतभा नभरु
उभा क्का कुल्लादा मनेकन
शुभिशुभा मदाव मव शुभार
उवा भुभा सुक समभ इ

पुंयभा उवतगरिभभा थय
मीधम्ममिरवा पुपाण्डुत व
ककार निगकाग येभ कानि
उभा मभ मभ उदने मुट
उपा मभ मभ क्कादमिभरि

उयितभा नभना हया भुभे
वृरिवतना कुतभा उभुभ
शया पुंयभा हया मिमि
रित्तवभेभद कुतभा नभरु
उभा क्का कुल्लादा मनेकन
शुभिशुभा मदाव मव शुभार
उवा भुभा सुक समभ इ

य

लेजगा चशा भभगिभा द्दिना कि
द्रा नभेभदि किद्रा नभेभदि
हृनभेवरिठिउधनना चनम
नाभनानकेउ धनरमियभा
ढके ठनठरेउ धनभके व
केमनेभ म्दव चक्र चंमनु
वभिवभिमिउ न्यभाभिस
भिमियठिगउ हभभापुव भि
मियेकुभ भगेरणा म्पेउ
मिमिपुव भिमिपुव भिमिपुव
यगिभग रदिअना भुभगेना
भिमिपुवउव चशा उवा

वैपउगवपुव

श्री.

३.

उ वजावजागङ्गा प्रष्टु अयित
मलिमेग एनावावा सुमेज्वर
हउ किषभनाथिवा रदिनेम
नरं सुभभनेरव कति अयावा
उकतेभना गवा भुभेरेडा भणे
डा उमेकहृव मेवदित भापी उभा
वा भवकरन केनेनभा काभा
रेण नेराभिनाभना सुकहृग
गवा भंभगरभा उ मभन्ता करिभा
थउदा मभन्ता कभन्ता इगत्रिदा
गवा थकेदा सुयावा उ ऊके
ऊदा रेवि रं सुगीवामदिडा

कष्टवा यति सुयते सुभेभनष्ट
 द. द. द. येभेभनष्ट भविभनभा ठव
 भूषा भवभा उभाष्ट भवका
 भानि नषि सुयि उभया
 ह्ये भनष्ट नउ किंदा इया
 नेधना येभना सुमनधनभे
 भमेडा गवा धियापठिनुडा गेउ
 ना भिषनभरिाया किनेठनुक
 डिभगलि मकग ययि भद्र
 दा सुनक्त रदद मंगडा धनै
 धना भक्तरेडा किडा कथष्टरि
 गळदभरेडा रंष्टुगुधा भोगकिडा
 भद्र

श्री.

३०

पुनरपि या परमानन्द प्रवृत्त
परमानन्द सुभिक्षये सुप्रसिद्ध
या कस्युभयमानन्द भवम्भानन्द
वदवदते ॥ ॥ ॥

विम्वीरवन्दनम् ॥ विम्वीरवन्दनम्
विम्वीरवन्दनम् वायुप्रकाशं च
उदभचं नानिब्रह्मणं नम
पिबुबुबु मन्त्रिभुवुपंथं ब्रह्म
मेकम् ० पन्थिपन्थि विम्वीर
नमन्त्राग वदवदते ॥ मन्त्राग
कस्युभयमानन्द विम्वीर
पन्थिपन्थिमेकम् ० मन्त्राग

पदावृत्तम् ॥

श्री.
१३

निचैग मन्त्रिः भद्रा नरगूडा
 उडा सुहृदेवैरं भद्रैः सुयभुः
 धंरुद्रभेदभा १ धरुनवीरं
 नम मण्डुदुष्टकं नडिणगा
 मनत्रुयभा भद्रधनभं निगण
 रं सुहृधुतुपं धरुद्रभेदभा १
 भिद्रुनभिष्ट विष्टनगतिः एष्ट
 नधरीक सुकमत्रुयभा एष्टक
 मा उल्लङ्घिता नमराण्येनं न
 भुननिगलं धंरुद्रभेदभा उ
 तुधा नरभा भद्रांगनरुदे पु
 येनगायिभा ह्रुभाकैवल्लेदं

लीवेनरलीवः वातुनवातु क
 दुभदिकगग पंग्रुद्रभेद ७ भा
 डरनयिङ्गन्त नमद्रुद्रनङ्गी
 भादिभुषप्र पायदभव मन
 कडा मनभया ठरीय अनम
 रू. दुयं पंग्रुद्रभेदभा ०० ॥ डडि
 निचलममसिकी भवः ॥ १ ॥
 डिडा मरुत मधु मभुभा ये वे
 मिह्विभा डुव्विभा नयि लल्ला
 भाणवा मिवाणकविभा ठकविभा
 म्पदाथनयि शिंडा मरुत मज्जानि
 भविभा लल्लविभा डठविभा नयि

श्री.
 ३३

ਪ੍ਰੇਰਿਕਾਏ ਪ੍ਰਗਟਿਤਿ ਸੁਵੇਖਾ ਯੇ
 ਮਿਤ੍ਰਿਕਾਏ ਤੇ ਸੁਵੇਖਾਏ ॥ ਯਿ
 ਮਿਤ੍ਰਿਕਾਏ ਮਿਤ੍ਰਿਕਾਏ ਮਿਤ੍ਰਿਕਾਏ
 ਮਿਤ੍ਰਿਕਾਏ ਮਿਤ੍ਰਿਕਾਏ ਮਿਤ੍ਰਿਕਾਏ
 ਤੇ ਮਿਤ੍ਰਿਕਾਏ ਮਿਤ੍ਰਿਕਾਏ ਮਿਤ੍ਰਿਕਾਏ
 ਕੇ ਮਿਤ੍ਰਿਕਾਏ ਮਿਤ੍ਰਿਕਾਏ ਮਿਤ੍ਰਿਕਾਏ
 ਗੇਯਾ ਤੇ ਮਿਤ੍ਰਿਕਾਏ ਮਿਤ੍ਰਿਕਾਏ
 ਮਿਤ੍ਰਿਕਾਏ ਮਿਤ੍ਰਿਕਾਏ ਮਿਤ੍ਰਿਕਾਏ
 ਮਿਤ੍ਰਿਕਾਏ ਮਿਤ੍ਰਿਕਾਏ ਮਿਤ੍ਰਿਕਾਏ
 ਮਿਤ੍ਰਿਕਾਏ ਮਿਤ੍ਰਿਕਾਏ ਮਿਤ੍ਰਿਕਾਏ
 ਮਿਤ੍ਰਿਕਾਏ ਮਿਤ੍ਰਿਕਾਏ ਮਿਤ੍ਰਿਕਾਏ
 ਮਿਤ੍ਰਿਕਾਏ ਮਿਤ੍ਰਿਕਾਏ ਮਿਤ੍ਰਿਕਾਏ

सुवा नमि~~ला~~करेउ नमभर्पेउ २
 शेभदरुण देउ मचया गीम
 गीम ३ श्रीमा निठवेभा ३६
 भा भवेउ ४ किंदा रवेभा नयि ७
 ३३ भूभर्पे ३३ मया रवेभा मरु
 लणगा रणगा भग्मयि नार्पे
 लेकेरणि थरि निमला सु
 मिवा मिना भूलया उडा एक
 वेभा ३६ भा भवेउ ४ ३३ दा
 रवेभानयि १ १ ३३ ३३ थरभवे
 ण भग्मनका उचविशेदा भभा
 ४ यभा भग्म सुभि रिङ्गभि विह

किं
 के

यो

३

येभिः प्रसूता अभि उद्धमवीरभि हि
 यत्काला अभि रिद्धा भिद्धा विद्धा
 शूलि. सुगता उमा नै वि
 हवा भगवत्या गृह्णा करिभद
 उमया उमानि गणकनया भज
 एविमंग/ उडा भगवेषा ब्रडा भडा
 उद्धवेषा सुद्धेना प्रमंगः येविव
 नरः वेमा उयेना प्रज इज ऊ
 विमंगः सुकित्रणः भेमित्रतुपा
 येतुपा भेतुपा परतुपा वालि
 प्रकलिनिरग्लनतुपा येसुहानि
 हा भएणा वेग वलि मरणभग

श्री.
 ३५

ਸ੍ਰੀ
ਵਖਤ:

